

LORN : अनाथः (था, थं) : v. Forlorn.

LOSE : I. To cause to be taken : हारयति, अप-
(c. of हृ), *I. lost ten sovereigns in gambling* :
दशसुवर्णं द्यूते हारितम्, Mr. ; *to l. wife* : पत्नीं
हारयति, Vi. v. 23. II. To be deprived of :
वियुज्यते (pass. of युज्) : v. To deprive, de-
void of. III. To fall from : q.v. : भ्रश्यति,
-ते, परि-, प्र-, (भ्रंश्, c. 4.), *l.s. spirits* : प्रभ्रश्यते
तेजसः, Mr. IV. Opposed to win : पराजयते
(जि, c. 1.) (rare), *what you first lost* : किञ्च पूर्वं
पराजयिषीः, Mah. ii. 67. 7. IV. To miss : expr.
with नश्यति (नश्, c. 4.), प्र-, *one who has lost
his way* : प्रनष्टवर्त्मन् (mfn.), K. ; *Vasantasenā
is lost* : नष्टा वसन्तसेना, Mr. i. V. To ruin,
destroy : q.v. : नाशयति (c. of नश्). VI. Of
time : v. To spend, waste. Ph. : *to l.
oneself* : बुद्ध्या परित्यज्यते, Mr.

LOSER : expr. by verb.

LOSS : I. Waste : (1) हानिः, *l. of capital* :
मूलहानिः, Vri. ; (2) क्षतिः, *to make good a l.* :
क्षतिं पूरयति (?). II. Destruction : नाशः, *l.
of wealth* : अर्थनाशः. III. Fall : भ्रंशः, *l. of
caste* : जातिभ्रंशः. IV. Deprivation : वियोगः,
l. of life : प्राणवियोगः. V. Defeat : q.v. :
पराजयः. Ph. : *l. of time* : कालहरणम्, etc. ; *at a
l. what to do* : किंकर्तव्यतामूढः (दा, ढं).

LOT : I. Part, share : q.v. : भागः. II. Fate,
fortune : q.v. : भाग्यम्. III. Chance, hazard :
casting of l.s : गुटिकापातः, Da.

LOTH : अनिच्छु (mfn.) : v. Unwilling.

LOTION : धावनम् (?) : v. Liniment.

LOTTERY : गुटिकापातः (??).

LOTUS : (1) पद्मम् ; (2) कमलम् ; (3) नलिनम् ; (4)
अरविन्दम्. *Blue-l.* : (1) उत्पलम् ; (2) इन्दीवरम्.
White-l. : पुण्डरीकम्. *Red-l.* : कोकनदम्. *The
plant* : (1) नलिनी ; (2) कमलिनी ; (3) मृणालिनी ;
(4) पद्मिनी. *Its stalk* : नालः. *Its root* : शालूकम्.
Its film : (1) मृणालम् ; (2) विसम्. *Its filament* :
किञ्चलकः.

LOUD : *with a l. voice* : उच्चैः ; *l. cry* : महाशब्दः :
v. Cry, noise, shout : v. Also noisily.

LOUD, LOUDLY (adv.) : (1) उच्चैः ; (2) उच्चकैः ;
(3) प्रोच्चैः ; (4) उच्चैः = स्वरेण ; (5) महाशब्देन.

LOUDNESS : v. Loud, clamour.

LOUNGE (v.) : (1) विश्राम्यति (=to rest) ; (2)
कालं क्षिपति (=to spend time).

LOUNGE (subs.) : शयनम् (=bed, couch)).

LOUNGER : expr. by verb. : अलसः (सा, सं)
(=idle).

LOUSE : (1) उत्कुणः ; (2) यूकः ; (3) केशकीटः.
Its eggs : लिङ्गा.

LOUSEWORT : वृक्षविशेषः.

LOUSY : (1) उत्कुणिन् (f. नी) (?) ; (2) यूकोपद्रुतः
(ता, तं) (?).

LOUT (subs.) : वृषलः (?) : v. Clown.

LOUTISH : ग्राम्य (f. म्या) (?) : v. Rude, awk-
ward.

LOVE (subs.) : I. Affection : q.v. : (1) प्रेमन्
(n.), *man's l. for woman is inconstant* : दयिता-
स्वनवस्थितं नृणां.....प्रेम, Ku. iv. 28. ; (2)
प्रणयः, *are you attached to, or in l. or friendship
with her daughter* : अस्ति भवतोऽस्या दुहित्रा सह
प्रसक्तिः प्रणयः प्रीतिर्वा, Mr. ix. ; (3) अनुरागः
(=fondness), *mutual l. is the best thing in
matches* : इतरेतरानुरागो दारकर्मणि पराद्धं मङ्गलम्,
Ma. ii. ; (4) कामः (=amorous l.), *for he
whom you look would fall in l. with you* : यं हि
त्वमभिवीक्ष्येयः स कामवशगो भवेत्, Mah. ; *l.-sick* :
कामार्त (f. र्ता), Me. ; कामातुरः (रा, रं), D. ;
Kalahansaka makes l. to Mandārikā : कलहंसको
मन्दारिकां कामयते Ma. i. ; *l. is cross* : कामो
वामः, Mr. ; *l.-stricken* : मदनपरवशः (शा, शं),
मन्मथमध्यमान (f. ना), etc. II. =darling :
प्रिय (f. या). III. Kindness : दया, *universal
benevolence is l.* : दया सर्वसुखैषित्वम्, Mah. IV.
God of love : (1) कामः ; (2) मदनः ; (3)
मन्मथः ; (4) कन्दर्पः ; (5) अनङ्गः.

LOVE (v.) : I. To have l. for : (1) expr. by
subs. ; (2) by प्रियः (या, यं) (=dear) ; (3)
स्निह्यति (स्निह्, c. 4.) (=to feel affection
for) : v. Also to like, (be) pleased. II. To
delight in : q.v. : मोदते (मुद्, c. 1.).

LOVE-BROKER : घटकः.

LOVE-FAVOUR : प्रीतिदायः, Ram. and sim.
comp.s.

LOVE-KNOT : प्रेमबन्धः (?) प्रेमग्रन्थिः (?).